Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 13-12-2005

Participants : Singh Shri Ganesh

>

Title : Regarding alleged ill-treatment meted out to a Member of Parliament by an ENT doctor at AIIMS.

श्री गणेश सिंह (सतना) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से देश के सबसे बड़े शासकीय अस्पताल 'एम्स' की व्यवस्था और चिकित्सकों के गैर जिम्मेदाराना व्यवहार की तरफ सदन का ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं। इस अस्पताल में देश के हर हिस्से से हजारों लोग रोज चलकर आते हैं और महीनों चक्कर लगाने के बाद फिर कहीं जाकर उन्हें चिकित्सकों द्वारा देखा जाता है। चिकित्सकों के ठीक व्यवहार न होने की शिकायतें लगातार मिलती रहती हैं जिससे देश में लोगों की 'एम्स' अस्पताल के प्रति भावनाएं बदल रही हैं। जब देश के इस प्रथम शासकीय अस्पताल की यह हालत है तो बाकी अस्पतालों में क्या हो रहा होगा, इससे अनदाजा लगाया जा सकता है। मैं एक उदाहरण बताना चाहूंगा कि एक दिसम्बर को मैं स्वयं अपना इलाज कराने के लिए एम्स के अधीक्षक डा. शर्मा जी के सुझाव पर ईएनटी के डा. बहादुर को दिखाने गया। घंटों इंतजार करने के बाद उन्होंने बुलाया और फिर रुकने के लिए कहा। मैंने उनसे कहा कि मैं सुबह नौ बजे से यहां पर हूं, साढ़े दस हो चुके हैं और संसद की कार्यवाही में मुझे भाग लेना है, तब उन्होंने कहा कि आप ठीक नहीं बोल रहे हैं। यहां पर हम लोग अपने हिसाब से काम करते हैं। यह सुनकर मुझे ताज्जुब हुआ और मैं वहां से उठकर चला आया। मैं कोई पहला उदाहरण नहीं दे रहा हूं। एम्स में सांसद अपने अथवा अपने सम्बन्धी या अपने क्षेत्र के किसी व्यक्ति को जब स्वयं लेकर जाते हैं, तब भी कोई प्र ाथमिकता नहीं मिलती और रोज अपमानित होना पड़ता है।...(व्यवधान) क्या कोई प्राथमिकता दिया जाना उचित नहीं होगा ? मैं इस अस्पताल की व्यवस्था में सुधार चाहता हूं और साथ ही गलत व्यवहार करने वाले चिकित्सक के ि वरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग करता हूं।